क्र.सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष टि
	25/7/24	पत्रावली पेश हुई। वकील वादी अनुपस्थित। वादी स्वयं भी अनुपस्थित। न्यायालय समय में बार-बार आवाजें लगवाई गई परन्तु ना तो वादी स्वयं उपस्थित हुए, ना ही वादी की ओर से कोई अधिवक्ता उपस्थित हुए हैं। अतः वादी का वाद अदम हाजिरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो। (signature)	